नवभारत
भोपाल, सोमवार 6 अप्रैल 2026

3 करोड़ रुपये से बने 69 स्वच्छता परिसर नहीं हुए शुरू

▶ अब भी खुले में शौच के लिए जा रहे हैं ग्रामीण

शुभम साहू

सिलवानी, 5 अप्रैल. शासन ने तहसील में पहले चरण में 30 सामुदायिक स्वच्छता परिसर स्वीकृत किए थे. इनमें से अधिकांश बनकर तैयार हो चुके हैं, तो कुछ अब भी अधूरे पड़े हुए हैं. दो चरणों में 3 करोड़ से अधिक राशि की लागत से 69 स्वच्छता परिसर बनाए गए हैं, पर चालू नहीं हुए. ग्रामीण अभी भी खुले में शौच के लिए जाने को मजबूर है. इन परिसरों का कोई फायदा ग्रामीणों को नहीं हो पा रहा है

प्रत्येक स्वच्छता परिसरों के निर्माण पर 3.44 लाख रुपए खर्च किए गए हैं. इस हिसाब से 1 करोड़ 3 लाख 20 हजार रुपए इन शौचालयों को बनाने में खर्च कर दिए, लेकिन बिजली, पानी, सफाई की व्यवस्था नहीं होने के कारण यह शोपीस बनकर खड़े हुए हैं, जिससे इनके निर्माण पर खर्च की गई राशि बर्बाद होती दिख रही है. वहीं शासन ने दूसरे चरण में 39 स्वच्छता परिसर बनाने बनाये. इस बार इनकी लागत बढ़ाकर 4 लाख 60 हजार रुपए कर दी है. इनमें से भी कुछ परिसर बनकर तैयार हो चुके हैं, शेष पंचायतों में भी काम चल रहा हैं. इन 39 स्वच्छता परिसर पर शासन 1 करोड़ 79 लाख रुपए खर्च की.ऐसे में नागरिकों ने सवाल उठाया है कि जब पहले चरण में शासन की योजना सार्थक नहीं हो सकी तो फिर दूसरे चरण में ऐसे स्वच्छता परिसर बनाकर करोड़ों रुपए क्यों बर्बाद किए जा रहे हैं.

स्वच्छता परिसर में ताले लगे: स्वच्छता मिशन के तहत घोषित ओडीएफ पंचायतों में रहने वाले लोग खुले में शौच जाने के लिए मजबूर हैं. वजह यह है कि इन पंचायतों में लाखों रुपए की लागत बनवाए गए स्वच्छता परिसर में ताला लगा है. इस संबंध में सरपंच-सचिव का कहना है कि पानी की व्यवस्था नहीं होने से ग्रामीण शौचालयों का उपयोग नहीं कर रहे हैं. पंचायत के पास अलग से बजट का कोई प्रावधान नहीं है. स्वच्छ भारत मिशन के तहत ग्राम पंचायतों में न केवल स्वच्छता परिसर बनवाए गए हैं, बल्कि हर घर में शौचालय निर्माण कराने का दावा किया जा रहा है.लेकिन हकीकत यह है कि अधिकांश गांव में पानी का इंतजाम नहीं होने से इन शौचालयों का उपयोग ही नहीं हो रहा है और ग्रामीण अभी भी खुले में शौच जा रहे हैं.खास बात यह है कि विकास खंड की अधिकांश पंचायत ओडीएफ घोषित हो चुकी हैं.लेकिन ओडीएफ के मानकों में इनमें एक भी पंचायत खरी नहीं उत्तरती.क्योंकि इन गांव में रहने वाले अधिकांश ग्रामीणों को खुले में शौच जाते देखा जा सकता है.

प्रतिबंध के साथ जुर्माने का भी है प्रावधान

खुले में शौच जाने के लिए शासन ने प्रतिबंध लगाया है.वहीं ऐसा करने वालों के खिलाफ जुर्माने का प्रावधान किया है.लेकिन पंचायतों में व्यवस्था नहीं होने के कारण जुर्माने की कार्रवाई नहीं की जा रही है.

इनका कहना है

जो भी ग्राम पंचायतों के स्वच्छता परिसर बंद है, उनको पंचायत सचिवों से बात कर कर शीघ्र ही चालू कराया जाएगा.

– नीलम रायकवार, सीईओ जनपद, सिलवानी

संचालन की नहीं बनी ठोस नीति

एक ओर इन स्वच्छता परिसरों के संचालन के लिए शासन ने ठोस नीति नहीं बनाई तो दूसरी ओर पंचायतों के पास भी संचालन को लेकर कोई व्यवस्था नहीं है.ऐसे में यह नवनिर्मित स्वच्छता परिसर के खंडहर हो रहे हैं. उल्लेखनीय है कि गांवों को खुले में शौच मुक्त करने के लिए शासन यह योजना लाई थी, जिसमें ऐसे स्थान पर इन्हें बनाना था जहां सर्वाधिक भीड़-भाड़ रहती हो, ग्रामीणों के साथ-साथ बड़े आयोजनों में इनकी उपयोगिता साबित हो सके. इसके अलावा बिजली, पानी की पर्याप्त व्यवस्था हो.लेकिन इन सबको दरकिनार कर स्वच्छता परिसर बना दिए अब पंचायतें इनका संचालन नहीं कर रही हैं.

महानगर भोजपुरी समाज ने की चाय पर सार्थक परिचर्चा

भोपाल, 5 अप्रैल. महानगर भोजपुरी समाज भोपाल द्वारा संगठन के संरक्षक सदस्य वीरेंद्र सिंह की अध्यक्षता में चाय पर सार्थक परिचर्चा का आयोजन किया गया. परिचर्चा में भोजपुरी समाज के गणमान्य लोगों अपनी मातृ बोली भोजपुरी में अपने-अपने सार्थक एवं सकारात्मक विचार रखें.

परिचर्चा में शामिल लोगों ने चाय पर यह कार्यक्रम लगातार जारी रखने का संकल्प लिया. संगठन के अध्यक्ष ददन सिंह यादव ने सभी संरक्षकों तथा उपस्थित लोगों को स्वागत करते हुए इस संकल्प हेतु आभार व्यक्त किया. संगठन के महामंत्री राजेश सिंह व कोषाध्यक्ष रमेश यादव ने भोजपुरी तथा भोजपुरिया लोगों के पुनर्स्थापना हेतु निष्ठा एवं ईमानदारी पूर्वक कार्य करने की अपनी प्रतिबद्धता जाहिर करते हुए संगठन में मातृशक्ति एवं नवयुवकों की भागीदारी बढ़ाने पर बल दिया. उक्त परिचर्चा में मुख्य रूप से संगठन के संरक्षक सूर्यनाथ सिंह, परमात्मा नंद सिंह, एम. पी. सिंह, उपाध्यक्ष रमेश सिंह, विश्वास गिरी, कृपाशंकर सिंह, रामाशीष यादव, राम उदार यादव, ओम प्रकाश सिंह, लोकनाथसिंह, अवधेश सिंह, जय नारायण सिंह, अंजनी सिंह, उमाशंकर तिवारी, धनंजय सिंह, अशोक कुमार सिंह, महेश प्रसाद श्रीवास्तव, रामाधार झा, मदन सिंह, विजय बहादुर सिंह, शिव शंकर मिश्रा, वीर बहादुर वर्मा, प्रो. सूर्यदेव सिंह, संदीप यादव, कृष्ण कुमार सिंह आदि उपस्थित थे.

सामूहिक विवाह के लिए पंजीयन 18 अप्रैल तक होंगे

रायसेन. मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत वर्ष जिला स्तरीय कार्यक्रम गोंड गुरूआ बाबा न्यास ग्राम पंचायत धामधूसर तहसील गौहरगंज में 23 अप्रैल को आयोजित किया जाएगा.इसके लिए पंजीयन 18 अप्रैल तक होंगे. जिला पंचायत सीईओ कमल सोलंकी ने सामूहिक विवाह के लिए आयोजक जनपद पंचायत सीईओ औबेदुल्लागंज और नोडल अधिकारी मनोज बॉथम उप संचालक सामाजिक न्याय विभाग को बनाया गया है.

सामूहिक विवाह में शामिल होने वाले वर-वधु द्वारा आवेदन फार्म शासन द्वारा निर्धारित पात्रता मापदंड शर्तो के अधीन 18 अप्रैल तक जनपद पंचायत कार्यालय औबेदुल्लागंज में जमा किए जा सकते हैं. निर्धारित तिथि उपरांत प्राप्त आवेदन मान्य योग्य नहीं होंगे. सामूहिक विवाह हेतु प्राप्त आवेदनों की संख्या शासन द्वारा निर्धारित अधिकतम संख्या 200 से अधिक होने की स्थिति में पहले आओ पहले पाओ के माध्यम से जोड़ो का चयन किया जाएगा.

ईद मिलन समारोह में गजलें और कव्वाली प्रस्तुत

भोपाल, 5 अप्रैल. बेगम्स ऑफ भोपाल क्लब एवं वूमन एजुकेशन इम्पॉवरमेंट सोसायटी द्वारा रविवार को वृंदावन होटल में दावत-ए-ईद के अवसर पर एक भव्य मिलन समारोह का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम में लगभग 150 लोगों ने सहभागिता की.

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण प्रसिद्ध गायक हमजा कब्बाल एवं उनकी टीम द्वारा प्रस्तुत बॉलीवुड गजलें और क़व्वाली रहीं, जिसने उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया. महिलाओं के लिए विभिन्न मनोरंजक खेलों का आयोजन किया गया, जिनमें विजेताओं को पुरस्कृत किया गया.

इस अवसर पर 'लेडी ऑफ द ईवनिंग', 'वेल कोऑर्डिनेटेड ड्रेस्ड लेडी' और 'वाइब्रेंट लेडी' का चयन भी किया गया. कार्यक्रम के दौरान देविका सिंह द्वारा महिला स्वास्थ्य विषय पर एक संक्षिप्त जानकारीपूर्ण सत्र भी आयोजित किया गया. शहर के अनेक गणमान्य अतिथियों एवं प्रतिष्ठित नागरिकों की उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा को बढ़ाया. यह आयोजन भोपाल की खूबसूरत गंगा-जमुनी तहज़ीब का जीवंत उदाहरण प्रस्तुत करता है. अतिथियों का स्वागत इत्र लगाकर किया गया. महिलाओं ने घरारा, साड़ी, शरारा और हैदराबादी शैली के परिधानों में सुसज्जित होकर ईद के उत्सव का विशेष माहौल बनाया. खानपान में ईद की पारंपरिक व्यंजन जैसे सेवइयां, खीर, दही बड़े, छोले-कुलचे आदि परोसे गए.

चर्च में मसीह समाज ने की आराधना

भोपाल, 5 अप्रैल. पुनरुत्थान पर्व में मसीह समाज के लोगों ने प्रोटेस्टेंट चर्च में रविवार को आराधना की.

इस अवसर पर आर्च डीकन रेवरेंट डॉक्टर अनिल मार्टिन ने अपने संदेश में कहा कि प्रभु यीशु मसीह का जी उठाना इतिहास में एक सबसे बड़ा सत्य है. यीशु ने जी उठने के बाद लोगों को 40 दिन तक दर्शन देकर केवल एक बात का संदेश दिया कि लोगों के जीवन में प्रेम , आनंद, दया, नम्रता ,सहायता और सेवा का संदेश दें. जिससे मानव कल्याण के लिए एक नए आयाम स्थापित हो सकें. लोग एक-दूसरे से प्रेम करके अपने जीवित परमेश्वर को धन्यवाद दे सकें क्योंकि यह जीवन जो मिला है, यह परमेश्वर का सबसे बड़ा दान है. इस दान का सदुपयोग करना सभी मानव के लिए प्रथम कर्तव्य है. हमें दूसरों की सेवा करने के लिए जीवन मिला है तो प्रेम से एक दूसरे का आदर करें और दूसरों की भलाई के लिए अपने जीवन का उपयोग करें .

ओलावृष्टि और आंधी से हुई बर्बादी

सर्वे नहीं होने से किसानों में आक्रोश

बेगमगंज, 5 अप्रैल. बेगमगंज विकासखंड के ग्राम बेरखेड़ी जोरावर सहित आसपास के दर्जनों गांवों में शनिवार करीब शाम आंधी तूफान ने तबाही मचा दी. आंधी के साथ ओलावृष्टि भी हुई. बारिश, आंधी से लोगों के घरों के छप्पर शेड उड़ गए. फसलें बर्बाद हो गईं. सर्वे न होने से किसानों में आक्रोश है. पीड़ितों ने प्रशासन से शीघ्र सर्वे कराकर मुआवजा देने की मांग की है.

ग्राम बेरखेड़ी जोरावर निवासी दिनेश यादव, शकील खान ने बताया कि शनिवार शाम करीब 5-6 बजे 15 से 20 मिनट तक बेर से बड़े आकार के ओले गिरे. घरों की छत पर ओले जमा हो गए थे. सड़कों पर भी सफेद चादर सी बिछ गई हो. कुछ देर के लिए जनजीवन भी असामान्य हो गया.

इस प्राकृतिक आपदा से किसानों की खड़ी फसलों और घरों के बाहर रखा हुआ गेहूं भीग गया. खड़ी फसलों को काफी नुकसान हुआ है.कई जगहों पर दर्जनों पेड़ गिरने की खबर भी मिली है, जिससे आवागमन बाधित रहा. बारिश होते ही बिजली व्यवस्था चरमरा गई. बड़ी लाइन के पोल आड़े हो गए और बिजली सप्लाई बंद हो गई. लोगों के घरों की खपरे उड़ गई .हालांकि किसी प्रकार की कोई जनहानि नहीं हुई है. इसके अलावा तहसील के जमुनिया ताल्लुक , महुआखेड़ा , टेहरी , मुड़पार सहित दो दर्जन से अधिक गांवों में बारिश के साथ आंधी तूफान और ओलावृष्टि होने से भारी नुकसान हुआ है.लेकिन अभी तक सर्वे नहीं होने से विपदा प्रभावित किसान और आमजन में आक्रोश है. ग्रामीणों ने मांग की है कि तत्काल सर्वे कराकर नुकसान के अनुसार मुआवजा दिया जाए.

खेत तालाब बना आर्थिक समृद्धि का आधार

जल गंगा संवर्धन अभियान

रायसेन, 5 अप्रैल. जिले की सिलवानी जनपद पंचायत की सिंहपुरी उचेरा ग्राम पंचायत निवासी हितग्राही किसान रामप्रसाद अहिरवार के खेत में जल गंगा संवर्धन अभियान - 2025 अंतर्गत बनाया गया खेत तालाब उनकी आर्थिक समृद्धि का आधार बन रहा है.

खेत तालाब बनने से पहले रामप्रसाद अपनी तीन एकड़ असिंचित भूमि में सिंचाई के लिए पूर्णत: बारिश पर ही निर्भर थे और बमुश्किल एक फसल ही ले पाते थे. जिससे उन्हें बहुत कम आय होती थी.लेकिन वर्ष 2025 में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत उनके खेत में 1.87 लाख रुपए लागत से खेत तालाब का निर्माण किया गया.

इस तालाब में बारिश का पानी एकत्रित होने से अब वह दो फसल ले रहे हैं. इससे उनकी आमदनी में वृद्धि हुई तथा परिवार की आर्थिक स्थिति भी सुदृढ़ हुई है.हितग्राही रामप्रसाद बताते हैं कि तालाब बनने के बाद मेरे खेतों में पूरे वर्ष पर्याप्त पानी उपलब्ध रहता है, अब दो फसलें लेकर आमदनी बढ़ी है और जीवन में स्थायित्व आया है. यह कार्य जल संरक्षण, कृषि उत्पादकता वृद्धि और ग्रामीण आजीविका सुदृढ़ीकरण का उत्कृष्ट उदाहरण है.

पवन साहू बने सह कार्यालय मंत्री

उदयपुरा. भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की सहमति से मध्य प्रदेश युवा मोर्चा के प्रदेश पदाधिकारियों की नियुक्ति की गई. इनमें पवन साहू को प्रदेश युवा मोर्चा में सह कार्यालय मंत्री नियुक्त किया गया. पवन उदयपुरा तहसील के ग्राम खुनिया के निवासी हैं. इनकी नियुक्ति पर भाजपा के कार्यकर्ताओं ने उन्हें बधाई दी है.

शिक्षक संघ ने जल पात्र किए वितरित

उदयपुरा, 5 अप्रैल. विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी शिक्षक संघ उदयपुरा द्वारा पक्षियों के लिए नगर में 150 जल पात्र वितरित किए गए. समस्त शिक्षक साथी गांधी चबूतरा उदयपुरा पर एकत्रित हुए एवं मिट्टी के जल पात्रों का वितरण किया. इससे भीषण गर्मी में पक्षियों को पीने के लिए पानी आसानी से मिलता रहेगा. शिक्षक संघ के अध्यक्ष राजेंद्र लोधी ने बताया कि प्रत्येक शिक्षक ने अपने घर के बाहर भी जल पात्र रखने का संकल्प लिया है. इसमें रोज में जल भरा जाएगा.नगर में 150 जल पात्र वितरित किए गए.

आयोजन ▶ रायसेन में 11 से 13 अप्रैल तक होगा कृषि महोत्सव

बेगमगंज से कृषि रथ रवाना, गांव-गांव में होगा प्रचार

बेगमगंज, 5 अप्रैल. रायसेन में 11 से 13 अप्रैल तक आयोजित होने वाले राष्ट्रीय स्तर के कृषि महोत्सव, प्रदर्शनी एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम को सफल बनाने के उद्देश्य से रविवार को नगर के दशहरा मैदान स्थित भाजपा कार्यालय से कृषि रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया. इस अवसर पर वरिष्ठ कृषि अधिकारी डी.के. नायक, भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष अजय जाट एवं ग्रामीण मंडल अध्यक्ष लक्ष्मी दुबे उपस्थित रहे.

रथ को हरी झंडी दिखाते हुए उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने बताया कि यह रथ क्षेत्र के गांव-गांव पहुंचकर किसानों को रायसेन में आयोजित होने वाले कृषि महोत्सव की जानकारी देगा और उन्हें इसमें शामिल होने के लिए प्रेरित करेगा.

कृषि महोत्सव किसानों के लिए नई तकनीकों, उन्नत बीजों, आधुनिक कृषि यंत्रों एवं आय बढ़ाने के उपायों की जानकारी प्राप्त करने का महत्वपूर्ण अवसर है. बताया गया कि पूर्व कैबिनेट मंत्री ठाकुर रामपाल सिंह राजपूत के निर्देशन में इस अभियान को व्यापक रूप दिया जा रहा है.

विकासखंड स्तर पर कृषि रथ का संचालन प्रतिदिन सुबह 8 बजे से प्रारंभ होकर शाम तक विभिन्न गांवों में किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक किसानों तक सम्मेलन की जानकारी पहुंचाई जा सके.

कृषि रथ के माध्यम से खजुरिया, कोकलपुर, कल्याणपुर, सुनेहरा, किरतपुर, चंदोरिया, हपसली एवं बीरपुर सहित कई गांवों में पहुंचकर किसानों को जागरूक किया.

इस अवसर पर नगर पालिका उपाध्यक्ष सुदर्शन सिंह घोषी, जिला प्रतिनिधि कमल सिंह साहू, पार्षद गुलाब रजक, पार्षद प्रतिनिधि राजीव दुबे, परसोत्तम कुशवाहा, राजेश घोषी, राकेश दुबे, मनोज यादव , मुकेश पाटकर सहित अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं किसान उपस्थित रहे. सभी ने अधिक से अधिक किसानों से सम्मेलन में शामिल होकर लाभ लेने की अपील की है.

रोक के बाद भी धड़ल्ले से हो रहा है ट्यूबवेल खनन

▶ कलेक्टर के आदेश का कोई असर नहीं

बेगमगंज, 5 अप्रैल. कलेक्टर द्वारा ट्यूबवेल खनन पर रोक लगाए जाने के बाद भी बेगमगंज तहसील में लगातार धड़ल्ले से खनन चल रहा है. ग्राम पांडाझिर में गत दिवस खनन कराया गया है और आज भी कलेक्टर के आदेश को धता बताते हुए तुलसीपार क्षेत्र में ट्यूबवेल खनन मशीनों द्वारा धड़ल्ले से किया जा रहा है. जिम्मेदार अधिकारी उसको रोकने में असमर्थ हैं.

बताया गया है कि क्षेत्र जिम्मेदार राजस्व अधिकारी एवं पटवारियों की जानकारी में होने के बावजूद अवैध रूप से चल रहे खनन नहीं रुक रहे हैं. किसानों द्वारा अपने-अपने खेतों में ट्यूबवेल खनन कराए जा रहे हैं, तहसील में जलस्तर के गिरने से प्रतिवर्ष गर्मियों में पेयजल समस्या होने के कारण कलेक्टर द्वारा सख्ती से खनन पर रोक लगाई गई है. उसके बावजूद भी तहसील में जगह-जगह ट्यूबवेल खनन का काम जारी है. बताया गया है कि अभी तक 8 गांव के क्षेत्र में ट्यूबवेल खनन हो चुके हैं और आगे भी निरंतर जारी है.